अनुक्रमांक ....

नाम ....

901

801(DA)

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]　　　　　　　　　　　　　　[पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र के **दो** खण्ड, **खण्ड - अ** तथा **खण्ड - ब** हैं ।

iii) **खण्ड - अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर देने हैं ।

iv) **खण्ड - अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।

v) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

vi) **खण्ड - ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।

vii) **खण्ड - ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए । जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए ।

खण्ड - 'अ'

बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' किस युग के लेखक हैं ? [1]

(A) शुक्ल युग

(B) द्विवेदी युग

(C) शुक्लोत्तर युग

(D) भारतेन्दु युग

2. 'गबन' की विधा है [1]

(A) नाटक

(B) एकांकी

(C) उपन्यास

(D) कहानी

3. 'कंकाल' के लेखक हैं [1]

(A) मुंशी प्रेमचन्द

(B) जयशंकर प्रसाद.

(C) निराला

(D) रामचन्द्र शुक्ल

4. 'कलम का सिपाही' कृति है [1]

(A) धर्मवीर भारती की

(B) अज्ञेय की

(C) जैनेन्द्र की

(D) अमृत राय की

5. 'शुक्ल युग' की समयावधि है [1]

(A) 1900 ई० से 1918 तक

(B) 1919 ई० से 1938 तक /

(C) 1936 ई० से 1943 तक

(D) 1850 ई० से 1900 तक

6. 'साकेत' रचना है [1]

(A) महादेवी वर्मा की

(B) सुमित्रा नन्दन पन्त की

(C) जयशंकर प्रसाद की

(D) मैथिलीशरण गुप्त की

7. महादेवी वर्मा कवयित्री हैं [1]

(A) प्रगतिवाद युग की

(B) द्विवेदी युग की

(C) छायावाद युग की

(D) प्रयोगवाद युग की

8. 'गंगालहरी' रचना है [1]

(A) पद्माकर की

(B) बिहारी की

(C) भूषण की

(D) मतिराम की

9. आधुनिक काल की समय सीमा है [1]

(A) 1919 ई० से 1938 ई० तक

(B) 1936 ई० से 1943 ई० तक

(C) 1918 ई० से 1950 ई० तक

(D) 1843 ई० से अब तक

10. महादेवी वर्मा की रचना नहीं है। [1]

(A) नीहार

(B) सांध्यगीत

(C) युगान्त

(D) दीपशिखा

11. हास्य रस का स्थायी भाव है [1]

(A) रति

(B) हास

(C) निवेद

(D) विस्मय

12. 'पीपर पात सरिस मन डोला ।' [1]

उपर्युक्त पंक्ति में अलंकार है।

(A) रूपक

(B) उपमा

(C) उत्प्रेक्षा

(D) अनुप्रास

13. 'सोरठा' छन्द में चरण होते हैं [1]

(A) चार

(B) दो

(C) तीन

(D) एक

14. 'उपदेश' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है [1]

(A) उ

(B) अ

(C) उप

(D) अन

15. 'प्रत्यय' के भेद हैं [1]

(A) चार

(B) पाँच

(C) तीन

(D) दो

16. 'हानि-लाभ' में समास है। [1]

(A) द्वन्द्व

(B) कर्मधारय

(C) द्विगु

(D) बहुव्रीहि

17. मछली का पर्यायवाची है [1]

(A) द्विज

(B) मीन

(C) रसना

(D) मूढ़

18. 'यद्यपि' में कौन-सी सन्धि है? [1]

(A) अयादि सन्धि

(B) दीर्घ सन्धि

(C) यण् सन्धि,

(D) वृद्धि सन्धि

19. 'मधु' शब्द का द्वितीया विभक्ति, बहुवचन रूप है [1]

(A) मधुने

(B) मधुना

(C) मधुनी

(D) मधूनि

20. 'पठेताम्' धातु का वचन एवं पुरुष है [1]

(A) प्रथम पुरुष, बहुवचन

(B) प्रथम पुरुष, द्विवचन

(C) प्रथम पुरुष, एकवचन

(D) मध्यम पुरुष, द्विवचन

खण्ड - 'ब'

वर्णनात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3x2=6]

आज हम इसी निर्मल, शुद्ध, शीतल और स्वस्थ अमृत की तलाश में हैं और हमारी इच्छा, अभिलाषा और प्रयत्न यह है कि वह इन सभी अलग-अलग बहती हुई नदियों में अभी भी उसी तरह बहता रहे और इनको वह अमर तत्व देता रहे, जो जमाने के हजारों थपेड़ों को बरदाश्त करता हुआ भी आज हमारे अस्तित्व को कायम रखे हुए है और रखेगा ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(iii) लेखक के अनुसार हमारा अस्तित्व किस कारण से आज भी कायम है ?

अथवा

यह कोई बात नहीं है कि एक ही स्वभाव और रुचि के लोगों में ही मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक-दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं । जो गुण हममें नहीं हैं, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले, जिसमें वे गुण हों । चिन्ताशील मनुष्य प्रफुल्लित चित्त का साथ ढूँढ़ता है, निर्बल बली का, धीर उत्साही का ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) व्यक्ति एक-दूसरे की ओर क्या देखकर आकर्षित होते हैं?

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3x2=6]

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौंह दे,

बूझति साँच न हाँसी ।

को है जनक, कौन है जननी,

कौन नारि को दासी ?

कैसे बरन, भेष है कैसो,

किहिं रस मैं अभिलाषी ?

पावैगो पुनि कियौ आपनौ,

जौ रे करैगौ गाँसी ।

सुनत मौन है रह्यौ बावरौ,

सूर सबै मति नासी ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'मधुकर' शब्द का क्या अर्थ है ?

अथवा

अतुलनीय जिसके प्रताप का

साक्षी है प्रत्यक्ष दिवाकर ।

घूम-घूम कर देख चुका है,

जिनकी निर्मल कीर्ति निशाकर ।।

देख चुके हैं जिनका वैभव,

ये नभ के अनन्त तारागण ।

अगणित बार सुन चुका है नभ,

जिनका विजय घोष रण-गर्जन ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किसकी महिमा का वर्णन किया गया है ?

3. दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। [2+3=5]

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृत भाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय दर्शन - शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः भवत् , यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी भाषायां कारितः।

अथवा

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानव जीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति , नवां शक्ति च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति , यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति। एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम् , तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा , सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढता चेति ।

4. दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। [2+3=5]

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्तन्तिः ।।

अथवा

किं नु हित्वा प्रियो भवति किन्नु हित्वा न शोचति ।

किं नु हित्वार्थवान् भवति किन्नु हित्वा सुखी भवेत् ।।

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : [1x3=3]

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के पञ्चम सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' के प्रथम सर्ग 'अरावली' का सारांश लिखिए ।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) ‘अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'बलिदान' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'वनगमन सर्ग' की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

6. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए । [3+2=5]

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ।

(ख) दिए गए कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए ।   [3+2=5]

(i) तुलसीदास

(ii) सुभद्रा कुमारी चौहान

(iii) बिहारी ।

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो ।   [2]

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए ।   [2+2=4]

(i) ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

(ii) भारतीय संस्कृते मूलं किम् अस्ति ?

(iii) कुत्र मरणं मङ्गलं भवति ?

(iv) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: [1x9=9]

(i) आतंकवाद : कारण एवं निवारण ।

(ii) वृक्षारोपण ।

(iii) मेरा प्रिय कवि ।

(iv) नारी सशक्तीकरण ।